सफलता की कहानी कृषक की जुबानी

नाम कृषक–श्री सुभाष सिंह रावत
पिता का नाम–स्व0श्री पौवी सिंह रावत
गॉव–नानई (बरी),
पोस्टऑफिस–मोरी,
तहसील–मोरी (उत्तरकाशी)

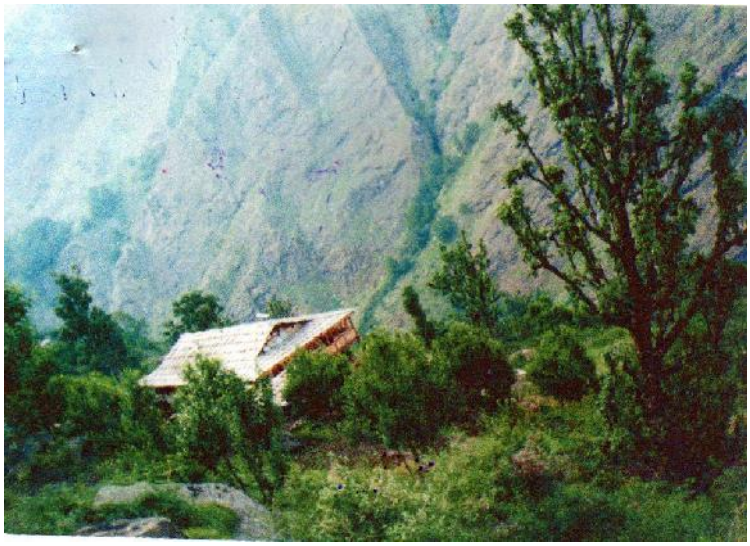

मैने आज से 20 साल एक पक्तियों में सेब की उन्नत किस्मों के बारे में पढ़ा, किताबों से सेब की उन्नत किस्मों के पौधें लगाने से उनका उत्पादन अच्छा होता है। मेरे मन में अपने खेतों में सेब लगाकर और अन्य लोगों को भी इस विषय में जानकारी दूॅ, जिससे लोग अपने पर निर्भर हो सकें, मेरे पास लगभग 50 नाली में सेब की भिन्न–भिन्न प्रकार की प्रजातियों के 250 पौधें लगाए तथा स्पर के जिस पर 5 वर्ष के बाद पौधों में सेब आना शुरू हुआ, शुरू में कुछ खास फायदा नहीं हुआ। लेकिन मैं प्रयास करता रहा विभाग के केन्द्र मोरी से सम्पर्क करता रहा तथा जानकारी करता रहा एवं अन्य लोगों से भी सम्पर्क व जानकारी लेता रहा। वर्तमान में मेरे उद्यान से पिछले वर्ष 600 पौधें रॉयल की निकली जिससे मन्डी में अच्छा पैसा नहीं मिला क्योकि सेब समय से मण्डी नहीं पहुॅचा, जिससे सेब पक गये थे इस समय में स्पर प्रजातियों के भी पौधेका रोपण किया, जिनकी बढवार अच्छी हो रही है, विभागीय योजनाओं एवं व्यक्तियों से भी अच्छी दवाओं आदि की उपलब्धता व जानकारी मिलती रहती है। जिससे भविष्य में अच्छे परिणाम आने की उम्मीद है, इसके साथ–साथ में अन्य लोगों को भी इसमें जानकारी देता रहता हूॅ कि विभाग से सम्पर्क कर अच्छे किस्म के पौधों का रोपण कर अच्छी आमदनी की जा सकती है।

श्री सुभाष सिंह रावत
गॉव–नानई (बरी),
पोस्टऑफिस–मोरी,
तहसील–मोरी (उत्तरकाशी)